

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्री हनुमत्कृतं
॥ श्री सीतारामस्तोत्रम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

শ্রীঃ

শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ

শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায নমঃ

॥ শ্রী সীতারামস্তোত্রম্ ॥

অযোধ্যাপুরনেতারং মিথিলাপুরনাথিকাম্।
রাঘরাণামলঙ্কারং রৈদেহানামলঙ্কিয়াম্ ॥ 1 ॥

রঘুণাং কুলদীপং চ নিমীনাং কুলদীপিকাম্।
সূর্যরংশসমুদ্ভুতং সোমরংশসমুদ্ভরাম্ ॥ 2 ॥

পুত্রং দশরথস্যাদ্যং পুত্রীং জনকভূপতেঃ।
রসিষ্ঠানুমতাচারং শতানন্দমতানুগাম্ ॥ 3 ॥

কৌসল্যাগর্ভসংভূতং রেদিগর্ভোদিতাং স্বয়ম্।
পুণ্ডরীকরিশালাক্ষং স্মুরদিন্দীররেক্ষণাম্ ॥ 4 ॥

চন্দ্রকান্তাননাংভোজং চন্দ্রবিষ্ণোপমাননাম্।
মত্তমাতঙ্গগমনং মত্তহংসরধুগতাম্ ॥ 5 ॥

চন্দ্রনার্দ্রভুজামধ্যং কুক্কুমার্দ্রকুচস্থলীম্।
চাপালঙ্কৃতহস্তাজং পদ্মালঙ্কৃতপাণিকাম্ ॥ 6 ॥

শরণাগতগোপ্তারং প্রণিপাতপ্রসাদিকাম্।
কালমেঘনিভং রামং কার্তস্বরসমপ্রভাম্ ॥ 7 ॥

দির্যসিংহাসনাসীনং দির্যস্রগ্নস্রভূষণাম্।
অনুক্ষণং কটাক্ষাভ্যাম্ অন্যোন্যেক্ষণকাক্ষিণৌ ॥ 8 ॥

অন্যোন্যসদৃশাকারৌ ত্রৈলোক্যগৃহদংপতী।
ইমৌ যুরাং প্রণম্যাহং ভজাম্যদ্য কৃতার্থতাম্ ॥ 9 ॥

अनेन स्तौति यः स्तुत्यं रामं सीतां च भक्तिः।
तस्य तौ तनुतां पुण्यास्संपदः सकलार्थदाः ॥ 10 ॥

एवं श्रीरामचन्द्रस्य जानक्याश्च विशेषतः।
कृतं हनुमता पुण्यं स्तोत्रं सदयो रिमुक्तिदम्।
यः पठेत्प्रतरुथाय सर्वान् कामानराप्नुयात् ॥ 11 ॥

॥ इति श्री सीतारामस्तोत्रं समाप्तम् ॥